DPL–03

December – Examination 2020

Diploma in Prakrit Language Examination

Diploma in Prakrit Language

प्राकृत भाषा में डिप्लोमा

(प्राकृत व्याकरण एवं रचना)

Paper : DPL-03

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

(अनिवार्य)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) प्राकृत लक्षण किस आचार्य का ग्रन्थ है ?

(ii) स्वार्थिक प्रत्यय किसे कहते हैं ?

(iii) गणनावाचक संख्या शब्द नब्बे (90) को प्राकृत में क्या लिखा जाएगा ?

(iv) 'वीसा' शब्द की पंचमी विभक्ति तथा एकवचन का रूप लिखिए।

(v) प्राकृत भाषा में कितने लिङ्ग माने गए हैं ? नाम लिखिए।

(vi) उत् + औतो का सन्धियुक्त पद लिखिए।

(vii) लट्लकार प्रथम पुरुष एकवचन का रूप लिखिए।

(viii) समन्धक कृदन्त का उदाहरण दीजिए।

(ix) 'टोणा' का सन्धि विच्छेद कीजिए।

(x) 'डेम्मि डे:' सूत्र का उदाहरण बताइए।

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×20=80**

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. प्राकृत भाषा के शब्दों के रूपान्तरण को संक्षेप में समझाइये।

3. प्राकृत भाषा के कारक तथा विभक्तियों पर प्रकाश डालिए।

4. प्राकृत के एकवचन तथा बहुवचन प्रत्यय संकेतों का वर्णन कीजिए।

5. 'कमल' शब्द के प्राकृत भाषा में रूप लिखिए।

6. 'वोतोडवो' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. 'ईतः सेश्चा वा' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8. प्राकृत भाषा में शब्दों के रूपान्तरण को समझाइये।

9. प्राकृत प्रकाश के प्रमुख टीकाकारों का परिचय दीजिए।